Journal Homepage: www.ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

International Journal of Advance Research Publication and Reviews

Vol 03, Issue 9, pp 709-711, September, 2026

फर्रुखाबाद के पर्यटन स्थलों से सरकार को राजस्व लाभ: एक वाणिज्यिक एवं आर्थिक अध्ययन

हर्ष दुबे[1], डॉ. सचिन गुप्ता[2]

विभाग : वाणिज्य विभाग
विश्वविद्यालय : संस्कृति विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
[2] शोध निर्देशक :
शोध निर्देशक का विश्वविद्यालय : संस्कृति विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

सारांश :

पर्यटन वर्तमान समय में केवल मनोरंजन एवं सांस्कृतिक गतिविधि का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है। फर्रुखाबाद जनपद धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है। जिला प्रशासन के अनुसार कम्पिल, संकिसा, पंचाल घाट, पांडवेश्वर नाथ मंदिर, कुठिला झील तथा अन्य स्थल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से परिवहन, आवास, भोजन, स्थानीय व्यापार, हस्तशिल्प तथा अन्य सेवाओं में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ सकती हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य फर्रुखाबाद के पर्यटन स्थलों से उत्पन्न प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आर्थिक गतिविधियों तथा उनके माध्यम से सरकारी राजस्व बढ़ाने की संभावनाओं का विश्लेषण करना है। अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति पर आधारित है और इसमें सरकारी तथा आधिकारिक द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है।

कुंजी शब्द: फर्रुखाबाद, पर्यटन, सरकारी राजस्व, पर्यटन अर्थव्यवस्था, धार्मिक पर्यटन, ऐतिहासिक पर्यटन, स्थानीय व्यापार, रोजगार।

1. प्रस्तावना

पर्यटन किसी क्षेत्र की आर्थिक संरचना को प्रभावित करने वाला बहुआयामी क्षेत्र है। पर्यटक किसी स्थान पर आने के बाद केवल पर्यटन स्थल देखने पर ही व्यय नहीं करते, बल्कि परिवहन, आवास, भोजन, खरीदारी और अन्य सेवाओं पर भी खर्च करते हैं। इस प्रकार पर्यटन व्यय का प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था के अनेक क्षेत्रों तक पहुँचता है। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय पर्यटन संबंधी आधिकारिक आँकड़ों में घरेलू एवं विदेशी पर्यटन, पर्यटन आय, रोजगार तथा पर्यटन के आर्थिक योगदान जैसे संकेतकों को व्यवस्थित रूप से संकलित करता है।

फर्रुखाबाद में कम्पिल और संकिसा जैसे धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों के साथ पंचाल घाट, पांडवेश्वर नाथ मंदिर तथा कुठिला झील जैसे स्थल भी उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट इन स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताती है। कम्पिल को प्राचीन कम्पिल्य से संबद्ध किया गया है तथा यहाँ जैन परंपरा से जुड़े मंदिर और अन्य धार्मिक-ऐतिहासिक स्थल हैं।

2. अध्ययन की आवश्यकता

फर्रुखाबाद में पर्यटन की आर्थिक क्षमता को केवल पर्यटकों की संख्या के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। पर्यटक व्यय, स्थानीय व्यवसायों का कारोबार, रोजगार, परिवहन और आतिथ्य सेवाओं का विस्तार तथा सरकारी कर एवं शुल्क—सभी मिलकर पर्यटन के राजस्व प्रभाव को निर्धारित करते हैं। इसलिए पर्यटन स्थलों के विकास को स्थानीय आर्थिक विकास तथा राजस्व सृजन की व्यापक रणनीति से जोड़ना आवश्यक है।

3. शोध के उद्देश्य

- फर्रुखाबाद के प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान एवं उनके पर्यटन महत्व का अध्ययन करना।
- पर्यटन गतिविधियों से उत्पन्न आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण करना।
- पर्यटन से सरकार को प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष राजस्व के स्वरूप का अध्ययन करना।
- पर्यटन के स्थानीय व्यापार एवं सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- पर्यटन से रोजगार-सृजन की संभावनाओं का विश्लेषण करना।
- फर्रुखाबाद में पर्यटन अवसंरचना एवं कनेक्टिविटी की भूमिका का अध्ययन करना।
- पर्यटन स्थलों के विकास के माध्यम से सरकारी राजस्व बढ़ाने की संभावनाओं का विश्लेषण करना।
- फर्रुखाबाद को अधिक प्रभावी पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

4. शोध-पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध-पद्धति पर आधारित है। अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है। इनमें फर्रुखाबाद जिला

प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय का India Tourism Data Portal, India Tourism Data Compendium तथा पर्यटन संबंधी सरकारी प्रकाशन शामिल हैं। उपलब्ध आधिकारिक सूचनाओं के आधार पर पर्यटन स्थलों, कनेक्टिविटी, पर्यटन गतिविधियों और राजस्व-सृजन की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है।
इस अध्ययन का आर्थिक विश्लेषण निम्न अवधारणात्मक श्रृंखला पर आधारित है: पर्यटक संख्या → पर्यटक व्यय → स्थानीय आर्थिक गतिविधि → व्यापारिक आय → कर/शुल्क → सरकारी राजस्व।

5. फर्रुखाबाद के प्रमुख पर्यटन स्थल

जिला प्रशासन की वर्तमान आधिकारिक जानकारी के अनुसार फर्रुखाबाद में कम्पिल, संकिसा, पांडवेश्वर नाथ मंदिर, प्राचीन गंगा घाट, कुठिला झील तथा श्री रामनगरीया मेला सहित अनेक पर्यटन आकर्षण हैं। कम्पिल का संबंध प्राचीन कम्पिल्य से बताया गया है और यहाँ जैन धर्म से जुड़े श्वेतांबर तथा दिगंबर मंदिर हैं। संकिसा बौद्ध परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। पंचाल घाट गंगा तट पर स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल है। कुठिला झील को जिला प्रशासन ने इको-टूरिज्म स्थल के रूप में वर्णित किया है।
इन स्थलों की विविधता फर्रुखाबाद को धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के साथ-साथ प्रकृति-आधारित पर्यटन के लिए भी संभावनाशील बनाती है।

6. पर्यटन से सरकारी राजस्व के प्रमुख स्रोत

6.1 प्रवेश एवं उपयोग शुल्क

जहाँ लागू हो, प्रवेश शुल्क, पार्किंग शुल्क, सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त शुल्क तथा आयोजन-संबंधी शुल्क प्रत्यक्ष सरकारी आय के स्रोत हो सकते हैं।

6.2 कर राजस्व

पर्यटन से जुड़े होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन और अन्य पात्र व्यावसायिक लेन-देन व्यापक कर व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से कर-आधार में वृद्धि की संभावना उत्पन्न हो सकती है।

6.3 आतिथ्य क्षेत्र

पर्यटकों की संख्या और ठहराव की अवधि बढ़ने पर होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला और भोजनालय जैसी सेवाओं की मांग बढ़ सकती है। इससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होता है।

6.4 परिवहन क्षेत्र

पर्यटन से टैक्सी, ऑटो, बस और अन्य स्थानीय परिवहन सेवाओं की मांग बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप परिवहन क्षेत्र में आय और संबंधित आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि संभव है।

6.5 स्थानीय बाजार

पर्यटक स्थानीय खाद्य पदार्थों, स्मृति-चिह्नों, धार्मिक सामग्री, हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं की खरीद करते हैं। स्थानीय उत्पादों को पर्यटन बाजार से जोड़ने पर व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है।

7. पर्यटन एवं रोजगार-सृजन

पर्यटन श्रम-प्रधान क्षेत्र है। होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन, गाइड, सफाई, सुरक्षा, स्थानीय बाजार और आपूर्ति श्रृंखला में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न हो सकते हैं। स्थानीय युवाओं को गाइड, आतिथ्य, डिजिटल प्रचार और पर्यटन-सेवा संबंधी प्रशिक्षण देने से पर्यटन का रोजगार प्रभाव बढ़ाया जा सकता है।

8. पर्यटन राजस्व बढ़ाने की रणनीतियाँ

- प्रमुख पर्यटन स्थलों का योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध विकास।
- कम्पिल–संकिसा–पंचाल घाट आदि को समन्वित पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित करने की संभाव्यता का परीक्षण।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से तथ्यात्मक प्रचार-प्रसार।
- पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, पार्किंग एवं संकेतक सुविधाओं में सुधार।
- स्थानीय उत्पादों के लिए पर्यटन बाजार एवं हस्तशिल्प हाट विकसित करना।
- निजी निवेश और सार्वजनिक-निजी सहभागिता के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण आतिथ्य सुविधाओं का विकास।
- स्थानीय युवाओं को प्रमाणित गाइड एवं hospitality प्रशिक्षण देना।
- पर्यटन से संबंधित पर्यटक संख्या, ठहराव, व्यय और राजस्व का नियमित डेटा-संकलन।
- स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेलों को सुव्यवस्थित पर्यटन आयोजनों से जोड़ना।

9. निष्कर्ष

फर्रुखाबाद के पर्यटन स्थलों में धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा प्रकृति-आधारित पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएँ दिखाई देती हैं। जिला प्रशासन की आधिकारिक जानकारी इन स्थलों की विविधता और ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करती है। पर्यटन का आर्थिक प्रभाव केवल प्रत्यक्ष सरकारी शुल्क तक सीमित नहीं होता; पर्यटक व्यय के माध्यम से होटल, परिवहन, भोजन, खुदरा व्यापार तथा स्थानीय सेवा क्षेत्र में गतिविधियाँ बढ़ सकती हैं।

इसलिए फर्रुखाबाद में पर्यटन विकास की रणनीति को पर्यटन स्थल के सौंदर्यीकरण तक सीमित रखने के बजाय पर्यटन, स्थानीय व्यापार, रोजगार, निवेश और सरकारी राजस्व के एकीकृत मॉडल से जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही, भविष्य के अध्ययन में स्थल-विशिष्ट पर्यटक संख्या, पर्यटक व्यय, ठहराव अवधि, स्थानीय व्यवसायों के कारोबार और सरकार को प्राप्त वास्तविक राजस्व के समय-श्रृंखला आँकड़ों का उपयोग किया जाना चाहिए। इससे पर्यटन और सरकारी राजस्व के बीच संबंध का अधिक ठोस मात्रात्मक आकलन संभव होगा।

10. संदर्भ सूची (References)

- District Administration, Farrukhabad. (2026). Farrukhabad Tourism / Places of Interest. Government of Uttar Pradesh, District Farrukhabad.
- District Administration, Farrukhabad. (2026). Kampil. Government of Uttar Pradesh, District Farrukhabad.
- Ministry of Tourism, Government of India. (2024). India Tourism Data Compendium 2024. Government of India.
- Ministry of Tourism, Government of India. (2025). India Tourism Data Compendium 2025. Government of India.
- Ministry of Tourism, Government of India. (2025). Annual Report 2024–25. Government of India.
- Ministry of Tourism, Government of India. (2026). India Tourism Data Portal: Tourism Statistics and Reports. Government of India.
- Ministry of Tourism, Government of India. (2026). Tourism Data Portal: Tourism GDP, Employment and Tourism Satellite Account resources. Government of India.